COURSE, PROGRAM OUTCOMES & PROGRAM SPECIFIC OUTCOMES OF HINDI

यू0 जी0 हिन्दी

Programme Outcomes

1.साहित्य के सांगोपांग महत्त्व का ज्ञान प्राप्त करना।

2.राष्ट्र की सर्वप्रमुख भाषा हिन्दी के अत्यन्त समृद्ध साहित्य के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करना।

3.हिन्दी साहित्य की सभी विधाओं के ज्ञान द्वारा उनमें रचनात्मकता का विकास करना।

4.शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन सम्बन्धी पक्ष के रूप म हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्तव का ज्ञान एवं प्रषिक्षण प्राप्त होता है।

Programme Specific Outcomes

यू0 जी 0प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

1.शिक्षार्थी हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।

2.शिक्षार्थी वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा।

3.शिक्षार्थी प्रमाण पत्र वर्ष में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजन मूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

4.प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण–पत्र प्राप्त करेगा,जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में होगा।

Unit wise course outcomes of U.G.I semester-

यूनिट1	1.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

	2.शिक्षार्थी आदिकालीन वीर काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
यूनिट 2	1.शिक्षार्थी चंदवरदाई,जायसी ,तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी निर्गुण काव्य धारा के अन्तर्गत संत एवं सूफी साहित्य का परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी सगुण काव्य धारा के अन्तर्गत रामभक्ति एवे कृष्ण भक्ति शाखा के महत्त्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
यूनिट 4.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों एवं उनके क्षरा रचित काव्यों के अध्ययन द्वारा उनके काव्य के कथ्य एवं शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

Unit wise course outcomes of U.G.II semester

यूनिट1.	1.शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्‌भव व विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1. शिक्षार्थी हिन्दी की उपन्यास परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव व विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3. .	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानियों के कथ्य शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 4.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानियों के कथ्य शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी उपन्यास साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

U.G.II Year

1.शिक्षार्थी सामाजिक,दार्शनिक,आध्यात्मिक,सांस्कृतिक आदि राष्ट्रीय संदर्भों में हिन्दी साहित्य की महान परम्परा का रचनात्मक और सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

2. शिक्षार्थी महान एवं उदात्त साहित्यिक कृतियों के साक्ष्य से उन्नत जीवन तथा नैतिक मूल्यों के पालन हेतु प्रेरित होता है।

3.. शिक्षार्थी साहित्य के माध्यम से जनसाधारण की समस्याओं से साक्षात्कार करता है।

4.साहित्य के अध्ययन द्वारा प्रकृति एवं पर्यावरण से मनुष्यों के सम्बन्धों के साक्ष्य व पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा प्राप्त करता है

Unit wise course outcomes of U.G.II Year

Paper-1

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी के नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी हिन्दी के छायावाद युग के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	3. शिक्षार्थी द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप,महत्त्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी छायावाद युगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप,महत्त्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है। .
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी प्रगतिवाद,प्रयोगवादी कविता, का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी नई कविता और समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Paper-II

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी एकांकी की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2	1. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप, प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी एकांकी के स्वरूप, प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3	1.पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटकों, के अध्ययन के आधार पर नाट्य समीक्षा का .

	ज्ञान प्राप्त करता है। 2.पाठ्यक्रम में सम्मिलित एकांकियों के अध्ययन के आधार पर एकांकी समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

U.G.III Year

1.शिक्षार्थी में हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप के ज्ञान से शुद्ध लेखन की प्रवृत्ति विकसित होती है।

2.हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध परम्परा,शब्द सम्पदा के ज्ञान से शिक्षार्थी व्यावहारिक व व्यावसायिक क्षेत्र में उसका प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करता है।

3.पारिभाषिक–प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग के ज्ञान से कार्यालयी एवं प्रशासनिक क्षेत्रों उन्नति के अवसर प्राप्त कर सकता है।

Unit wise course outcomes of U.G.III Year

Paper-I

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी ब्रिटिश भारत में हिन्दी के प्रयोजनमूलक रूप के उद्भव, का ज्ञान पांप्त करता है। 2. स्वतंत्र भारत में हिन्दी के प्रयोजन मूलक रूप में विकास का अध्ययन प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी राज भाषा,राष्ट्रभाषा के सम्बन्ध में विस्तृत ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी पत्रकारिता,संचार भाषा,,के स्वरूप प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी मीडिया लेखन,के स्वरूप प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी वर्तमान संचार व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया,उसके प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.प्रयोजन मूलक हिन्दी का अध्ययन करने सें शिक्षार्थी के पास रोजगार के क्षेत्र में अपार संभावनाऐं हैं।

Paper-II

यूनिट 1	1. शिक्षार्थी साहित्य के लोक पक्ष के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 3.
यूनिट 2	1.शिक्षार्थी लोक साहित्य कक अध्ययन की प्रविधियों, का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी लोक साहित्य के संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी लोक साहित्य के संकलन प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं से परिचित होता है।
यूनिट 3	1.लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करते हुए लोक गीतों,लोक नाट्य,लोक कथा एवं लोक गाथाओं के स्वरूप,उनके सामाजिक,सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.पाठ्यक्रम में सम्मिलितलोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0ए0हिन्दी (सम्पूर्ण सीबीसीएस पाठ्यक्रम)

Programme Specific Outcomes

1 हिन्दी भाषा और साहित्य में दक्षता।

2.सामाजिक, दार्शनिक, आध्य ात्मिक, सांस्कृतिक आदि राष्ट्रीय संदर्भों में हिन्दी साहित्य की महान परम्परा का रचनात्मक और सैद्धान्तिक ज्ञान प्रदान करना।

3.महान एवं उदात्त साहित्यिक कृतियों के साक्ष्य से उन्नत जीवन तथा नैतिक मूल्यों के पालन हेतु प्रेरित करना।

4.साहित्य के अध्ययन द्वारा प्रकृति एवं पर्यावरण से मनुष्यों के सम्बन्धों के साक्ष्य व पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा प्रदान करना ।

Programme Outcomes

प्रोग्राम आउटकम्स–

1.साहित्य ऐसा स्रोत है जो समाज व उसकी दिशा,दशा,गति,उसके उद्वेलन आदि को सजीवता से चित्रित करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक,ऐतिहासिक और सामाजिक गत्याम्मकता की मूल्यपरक पहचान प्राप्त करता है।

2.हिन्दी साहित्य भारत के इतिहास क्रम में तत्कालीन सामाजिक समावेशीकरण/समांगीकरण राज व्यवस्था,धर्म, भक्ति के विभिन्न पंथ, सूफी,संत,नाथ,सिद्ध,निर्गुण,सगुण,रीति, राजाश्रयी,श्रृंगाराभिव्यक्ति से लेकर आधुनिक काल की विभिन्न विचारधाराओं/ आंदोलनों और अद्यतन उत्तरआधुनिक वैचारिक परिदृश्य तक एक सुदीर्घ–सुलिखित दस्तावेज की तरह है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य के अध्ययन से साहित्य के साथ–साथ इस लम्बी परम्परा का ज्ञान भी प्राप्त करता है।

3.शिक्षार्थी साहित्य के पारम्परिक,सांस्कृतिक आग्रहों के प्रति,नैतिक मूल्यों के प्रति सचेत होने के साथ–साथ इस महान भारतीय परम्परा के अग्रगामी आधुनिक स्वरुप का ज्ञान भी प्राप्त करता है।

4.भौतिकतावादी जगत में निरन्तर बदलते जीवन मूल्यों से उपजी आस्था–अनास्था ,आशा–निराशा,संगति–विसंगति आदि में जीते मानव समाज को सही दिशा निर्देश साहित्य ही करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन कर सही व सच्चे अर्थों में समुन्नत जीवन मूल्यों का धारक मनुष्य बनता है।

5.शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु विशिष्ट विषय के रुप में हिन्दी साहित्य का समग्र ज्ञान प्राप्त करता है।

6.शिक्षार्थी हिन्दी अनुवाद तथा हिन्दी पत्रकारिता जैसे रोजगार क्षेत्रों में कार्य करने हेतु आधारभूत ज्ञान प्राप्त करता है।

7.शिक्षार्थी उच्चस्तरीय शोध एवं उच्च शिक्षा में अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान तथा योग्यता प्राप्त करता है।

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर (प्रथम सत्र) अनिवार्य पाठ्यक्रम(प्रथम प्रश्नपत्र) आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

कोर्स आउटकम–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन रुप का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

	2.शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से अपभ्रंश के परवर्ती रुप अवहट्ट का परिचयव व ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीर काव्य की परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रुप का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।हिन्दी में यह महत्त्व विद्यापति को प्राप्त है।शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीत काव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करेगा। 2.शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से मैथिली भाषा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करेगा।
यूनिट 4.	1. शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्ति काव्य में निर्गुण के स्वरुप तथा निर्गुण भक्ति की ज्ञानाश्रयी संत काव्यधाराका का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करेगा। 2. शिक्षार्थी जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्ति काव्य में निर्गुण के प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करेगा। 3..इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी में सामाजिक चेतना,राष्ट्रप्रेम तथा उच्च नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर (प्रथम सत्र) अनिवार्य पाठ्यक्रम(द्वितीय प्रश्नपत्र) सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं, विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी रीतिकालीन काव्य की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्ण भक्ति

	शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है । शिक्षार्थी सूर के काव्य में उपस्थित प्रकृति और जीवन के लोक स्वरुप का 2. साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्त्व को समझता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी तुलसीदास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की राम भक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.तुलसी के काव्य का अध्ययन कर यह समन्वयवादी दृष्टि उसके जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है। 3.शिक्षार्थी तुलसीदास के काव्य का अध्ययन कर विभिन्न सामाजिक –धार्मिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है।यह समन्वयवादी दृष्टि उसके जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।
यूनिट 4.	1.शिक्षार्थी केशवदास बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता की भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का आलोचनात्मक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है जिससे उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता है। 2. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्य शास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 5.	1.शिक्षार्थी घनानंद के काव्य के अध्ययन से सामाजिक रुढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है 2. वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर (प्रथम सत्र) अनिवार्य पाठ्यक्रम(तृतीय प्रश्नपत्र) आधुनिक हिन्दी काव्य:छायावाद तक

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट1.	1.शिक्षार्थी राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन एवं आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्य रचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्त्वपूर्ण अभिलेख बनाती है। इस पुस्तक के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी में स्त्री विमर्श के आरम्भिक स्वरुप का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व

	बलिदानों के चित्रण का महत्त्वपूर्ण अभिलेख बनाती है। 2. इस पुस्तक के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी में स्त्री विमर्श के आरम्भिक स्वरुप का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों प्रसाद,पंत,निराला,महादेवी की कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति,प्रेम,सौन्दर्य, भारत की गहन परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सरणियों/पद्धतियों का रचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर (प्रथम सत्र) अनिवार्य पाठ्यक्रम(चतुर्थ प्रश्नपत्र) हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल से रीतिकाल तक

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा,प्रविधि,काल विभाजन पद्धति,नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन,बौद्ध,नाथ साहित्य,वीरकाव्य–रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंदवरदाई, अब्दुल रहमान,जगनिक,स्वयंभू, धनपाल,नरपतिनाल्ह,विद्यापति आदि महत्त्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय,प्रमुख काव्य धाराओं, प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल/रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय,प्रमुख काव्य धाराओं, प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि–आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रथों का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त काव्यधारा तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि–आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रथों का ऐतिहासिक परिचय,रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त काव्यधारा तथा उनके प्रतिनिधि कवियों

	का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर (प्रथम सत्र) अनिवार्य पाठ्यक्रम(पंचम प्रश्नपत्र) हिन्दी साहित्य का इतिहासः आधुनिक काल

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	शिक्षार्थी 1857 की क्रान्ति तथा हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का सैद्धान्तिक,ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीति, सामाजिक,धार्मिक,तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय,व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा छायावाद,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान एवं परिचय प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी नवीन रचना के आलोक में छायावाद,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद के प्रमुख रचनाकारों व उनके काव्य का परिचय प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1..शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव –विकास तथा गद्य की प्रमुख्य विधाओं यथा– नाटक,उपन्यास,कहानी और निबंध आदि का ऐतिहासिक परिचय,व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा–संस्मरण,रेखाचित्र,जीवनी,आत्मकथा,यात्रावृत्तान्त,फीचर,डायरी,रिपोर्ताज आदि का परिचय,व ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(षष्ठ प्रश्नपत्र) भारतीय काव्यशास्त्र

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की अत्यन्त समृद्ध काव्य परम्परा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी काव्य लक्षणों,काव्य हेतु तथा काव्य प्रयोजनों के अध्ययन से कविता के शिल्प और विषय वस्तु से लेकर उनके वृहद सामाजिक उद्देश्यों तक आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

यूनिट 2.	1.विभिन्न काव्य तत्वों के संधान के आधार पर परम्परा में आचार्यों ने काव्य विवेचन किया, फलस्वरुप रस,अलंकार,रीति,ध्वनि,वक्रोक्ति,एवं औचित्य सम्प्रदाय अस्तित्व में आए, जो पश्चिमी काव्य चिंतन में इस विस्तार के साथ नहीं मिलते। 2.शिक्षार्थी इन काव्य सम्प्रदायों के अध्ययन से भारतीय परम्परा में काव्य चिंतन की विलक्षणता,उदात्तता और सैद्धान्तिक विस्तार ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी हिन्दी आलोचना के सामान्य सिद्धान्तों,उद्‌भव–विकास का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी हिन्दी के सामान्य आलोचना सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी पाठ्‌यक्रम में सम्मिलित आलोचकों के कृतित्व के अध्ययन से हिन्दी आलोचना की विशिष्ट विचासधाराओं का ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही साहित्यिक कृतियों के आलोचन का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्‌यक्रम(सप्तमप्रश्नपत्र) पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी साहित्यालोचन की पश्चिमी परम्परा का विस्तृत ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी प्राचीन यूनानी विचारक प्लेटो,अरस्तू तथा लोंजाइनस की काव्य मूल्यांकन सम्बन्धी मान्यताओं और स्थापनाओं यथा– काव्य सत्य,अनुकरण व विवेचन,त्रासदी विवेचन,उदात्त की अवधारणा आदि का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	13.शिक्षार्थी अंग्रेजी के महत्त्वपूर्ण साहित्यालोचक मैथ्यूऑर्नल्ड, क्रोचे, आई0 एस0रिचर्डस और टी0एस0इलियट के समालोचन सिद्धान्तों का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी अंग्रेजी के अत्यन्त महत्त्वपूर्ण कवि वर्ड्सवर्थ के काव्य भाषा सिद्धान्त और कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त के अध्ययन से पश्चिम के प्रसिद्ध साहित्यान्दोलन स्वच्छंदतावाद का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी पश्चिमी साहित्य और संस्कृति का महत्त्वपूर्ण विचारधाराओं यथा–मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद,संरचनावाद और उत्तर आधुनिकता का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित विचारकों व उनके सिद्धान्तों के अध्ययन से आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(अष्टमप्रश्नपत्र) आधुनिक हिन्दी काव्यःछायावादोत्तर

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता और उसकी विभिन्न काव्यधाराओं यथा–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद,नई कविता, आदि का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता और उसकी विभिन्न काव्यधाराओं यथा–साठोत्तरी कविता,समकालीन कविता आदि का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी दिनकर के काव्य उर्वशी के अध्ययन से भारतीय दर्शन की परम्परा से परिचित होता है तथा आधुनिक संसार में उसकी पुनर्व्याख्या का संधान करता है। 2. दिनकर के काव्य उर्वशी के अध्ययन से उसमें भेदबुद्धि यथा –पाप–पुण्य, स्वर्ग–नर्क, ऊँच–नीच आदि से ऊपर उठकर संसार को समझने की चेतना ,प्रेरणा व ज्ञान प्राप्त होता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययन से प्रगतिशील हिन्दी कविता के स्रोत–सिद्धान्तों का ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी अज्ञेय,मुक्तिबोध,शमशेर बहादुर सिंह,नरेश मेहता,केदारनाथ सिंह,लीलाधर जगूड़ी,अशोक बाजपेयी आदि की कविताओं के अध्ययन से प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता,समकालीन कविता आदि का रचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी छायावादोत्तर काल की हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(नवम प्रश्नपत्र)हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, के उद्भव–विकास तथा महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी,कहानी के उद्भव–विकास तथा महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 1.शिक्षार्थी हिन्दी नाटक के उद्भव–विकास तथा महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक,आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करता है। 2..शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की बदल रही जीवन स्थितियों और नये संकटों–समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा लहरों के राजहंस के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास,भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक–सामाजिक अभिप्रायों,प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(दशम प्रश्नपत्र)हिन्दी निबंध एवं स्मारक साहित्य

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप,प्रकार,महत्त्व, का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 1.शिक्षार्थी निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय व

	सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों के निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप,उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी स्मारक तथा निबंध की समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(एकादश प्रश्नपत्र)भाषा विज्ञान

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1. शिक्षार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ स्वरू का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी भाषा व्यवस्था,भाषा व्यवहार और उसके महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1. शिक्षार्थी भाषा प्रयोगशालाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध हेतु आधार योग्यता व ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन शाखाओं यथा–स्वन ,स्वनिम, रूप,रूपिम ,वाक्य, अर्थ आदि का सैद्धान्तिक व तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1. शिक्षार्थी भाषा की सामाजिक संरचनाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(द्वादश प्रश्नपत्र)उत्तराखंड के हिन्दी कवि

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का महत्त्वपूर्ण स्थान है।शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है। 2.गुमानी ने भारतेन्दु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था।उनकी कविता तत्कालीन अंग्रंजी/कम्पनी राज और सामाजिक–राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं।शिक्षार्थी खड़ी बोली के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक–रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्त्वपूर्ण कवि चंद्रकुंवर बर्थवाल के कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि है।स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोह भंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरम्भिक स्वर है।शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.समकालीन हिन्दी की कविता में अस्सी के दशक के दो महत्त्वपूर्ण कवि वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल जो प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 2. समकालीन हिन्दी की कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हरीशचंद्र पांडे जिनकी कविताओं के मुख्य विषय हैं–देश में उदारवाद,भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0ए0तृतीय सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(त्रयोदश प्रश्नपत्र)उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का

	महत्त्वपूर्ण योगदान व स्थान है।शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों के कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1..शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी के साहित्य में विकसित हाक रहे नवीन उत्तर आधुनिक कथ्य (स्थानीय–आंचलिक एवं मुक्त ग्लोबल) एवं शिल्प परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास गोबर गणेश के अध्ययन से उत्तराखंड के कुमाउनी अंचल के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवन मूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी,नयी कहानी,प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्त्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर ऐच्छिक पाठ्यक्रम(इलैक्टिव कोर्स)प्रथम प्रश्नपत्र–कुमाउनी साहित्य

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.भाषा और साहित्य का नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य तथा स्थानीय भाषाओं व उनके साहित्य के अध्ययन का महत्त्व बढ़ा है।इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाउनी के लोक तथा तत्सम साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के खंड (क) में सम्मिलित तीन पुस्तकों के अध्ययन से कुमाऊँ के लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के खंड (क) में सम्मिलित तीन पुस्तकों के अध्ययन से कुमाऊँ के लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित पछयाण के अध्ययन से कुमाउनी कविता

	का रचनात्मक–शिल्पगत परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित मन्याडर के अध्ययन से कुमाउनी कहानी का रचनात्मक–शिल्पगत परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित मन्खिके अध्ययन से कुमाउनी निबंध का रचनात्मक –शिल्पगत परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर ऐच्छिक पाठ्यक्रम(इलैक्टिव कोर्स)द्वितीय प्रश्नपत्र–विशिष्ट अध्ययन सूरदास

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल का ऐतिहासिक परिचय,तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप पर हुई मीमांसा का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी भारतीय अध्यात्म एवं भक्ति में ज्ञानयोग की निर्गुणधारा और प्रेम माधुर्य की सगुणोपासना के विमर्श का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी लोक और प्रकृति के कार्य–व्यवहार का रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी ईश्वर की लौकिकता और उससे संभव हुई संसार और समाज की शुभ्रता का रचनात्मक परिचय, तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी उच्च जीवन मूल्यों तथा नैतिकता का ज्ञान प्राप्त करता है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर ऐच्छिक पाठ्यक्रम(इलैक्टिव कोर्स)तृतीय प्रश्नपत्र–विशिष्ट अध्ययन प्रेमचंद

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.हिन्दी मे कथा साहित्य को अपने उपन्यासों,कहानियों से स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान करने वाले आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी प्रेमचंद के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य परम्परा में प्रेमचंद के

	योगदान एवं महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय,प्राप्त करता है। 2.रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक–आर्थिक स्थितियों और सामाजिक मूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यंत वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास के अध्ययन से शिक्षार्थी उन आर्थिक दशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय, व ज्ञान प्राप्त करता है जिनसे स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय, व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधें के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय, और ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3	1.जन साधारण के जीवन के कहानीकार प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से उनकी अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय, प्राप्त करता है 2.शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है जो उसे परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम(ओपन इलैक्टिव कोर्स)प्रथम प्रश्नपत्र–अनुवादः सिद्धान्त और स्वरूप

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय, तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप,क्षेत्र,सीमाओं,आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा–विश्लेषण,अर्थान्तरण,पुनर्गठन,सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.विद्यार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक,कार्यालयी,मानविकी,संचार माध्यमों,वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार,संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम(ओपन इलैक्टिव कोर्स)द्वितीय प्रश्नपत्र—हिन्दी भाषा

कोर्स आउटकम्स—

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी भारत की प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक आर्यभाषाओं का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी के भौगौलिक विस्तार,उपभाषाओं और बोलियों के अत्यन्त समृद्ध संसार का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी हिन्दी की भाषिक संरचना का विस्तृत रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के विविध रूपों,हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं हिन्दी के वैश्विक महत्त्व का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी नये डिजिटल संसार में कम्प्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग की प्रविधियों,तकनीक और भाषा शिक्षण का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी रोजगार अथवा आजीविका के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के व्यवहार का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(चतुर्दश प्रश्नपत्र) लोक साहित्य

कोर्स आउटकम्स—

यूनिट 1.	1.लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी इस मूल लोक परम्परा के अर्थ,स्वरूप और महत्त्व का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षाथी लोक साहित्य और लोक संस्कृति के विविध सैद्धान्तिक पक्षों का

	परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी अभिजात साहित्य और लोक साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षाथी लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया(संकलन तथा पाठ निर्धारण) ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षाथी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षाथी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम ए0 चतुर्थ सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम(पंचदश प्रश्नपत्र) मौखिकी

कोर्स आउटकम्स—

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी समस्त पाठ्यक्रम का पुनरावलोकन करता है। 2.शिक्षार्थी पुस्तकों द्वारा प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक रूप में अभिव्यक्त करने का प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी विषय का अध्ययन करते हुए आत्मसात किये गए ज्ञान की अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी विषय को लेकर अपनी मौलिक दृष्टि की अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए साक्षात्कार का अभ्यास व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 चतुर्थसेमेस्टर ऐच्छिक पाठ्यक्रम(इलैक्टिव कोर्स)चतुर्थ प्रश्नपत्र—विशिष्ट अध्ययनः कबीरदास

कोर्स आउटकम्स—

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन,संत परम्परा तथा निर्गुण काव्य धारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें

	उपस्थित जाति–धर्म ,अज्ञान, अंधविश्वास आदि के विरूद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर ऐच्छिक पाठ्यक्रम(इलैक्टिव कोर्स)पंचम प्रश्नपत्र–भारतीय साहित्य

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी भारतीयता की मूल भावना,भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा समाजशास्त्र से परिचित होता है। 2.शिक्षार्थी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के हिन्दी अनुवाद और अध्ययन की समस्याओं से परिचित होता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के समग्र स्वरूप और महत्त्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी भारत के दक्षिणी भाषा वर्ग,पूर्वी भाषा वर्ग तथा पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग के साहित्य का सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित पुस्तकों के अध्ययन से भारतीय साहित्य का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से जन साधारण के स्तर पर राष्ट्र की एकता, सम्पूर्णता,विराटता व अखंडता का साक्षात्कार करता है। 3.शिक्षार्थी में राष्ट्रगौरव और राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास होता है।

एम0ए0चतुर्थ सेमेस्टर (चतुर्थ सत्र) ऐच्छिक पाठ्यक्रम(इलैक्टिव कोर्स)षष्ठ प्रश्नपत्र–लघुशोध–प्रबन्ध

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1.शिक्षार्थी शोध के अर्थ,स्वरूप और महत्त्व का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी शोध प्रबन्ध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्त्व का परिचय प्राप्त करता है।

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर (चतुर्थ सत्र) मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम(ओपन इलैक्टिव कोर्स)तृतीय प्रश्नपत्र–हिन्दी पत्रकारिता

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी विश्व तथा हिन्दी पत्रकारिता का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है। 3शिक्षार्थी हिन्दी में पत्रकारिता के मूल तत्वों तथा प्रकारों का तकनीकी ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी समाचार संकलन तथा संपादन कला के समस्त पक्षों का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन यथा संपादकीय,फीचर,रिपोतार्ज,साक्षात्कार,खोजी समाचार,अनुवर्तन,दृश्य सामग्री आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
यूनिट 3.	1.शिक्षार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी भारतीय संविधान,प्रेस कानून तथा पत्रकारिता की आचार संहिता का ज्ञान प्राप्त करता है। 3.समग्रता में शिक्षार्थी पत्रकार बनने की प्रेरणा,आधारभूत ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर मुक्तऐच्छिक पाठ्यक्रम(ओपन इलैक्टिव कोर्स)चतुर्थ प्रश्नपत्र–कुमाउनी भाषा

कोर्स आउटकम्स–

यूनिट 1.	1कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ ओर कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कुमाउनी भाषा क्षेत्र की भौगोलिक व सांस्कृतिक जानकारी प्राप्त करते हुए कुमाउनी के विविध रूपों का परिचय एवं उनके मध्य निहित अन्तर का ज्ञान प्राप्त करता है।
यूनिट 2.	1.शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी कुमाउनी की शब्द संरचना व सम्पदा का विस्तृत रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त है।
षूनिट 3.	1.शिक्षार्थी कुमाउनी में हुए अद्यतन कोश कार्य का परिचय व तत्संबंधी तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है। 2..शिक्षार्थी कुमाउनी व अन्य आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के मध्य शब्द व संरचनागत आदान–प्रदान का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।